राष्ट्रबाण

नागपुर VISION

।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

तापमानः नागपुर, अधिकतम 37.9°C न्यूनतम 27.8°C

नागपुर, रविवार, 1 जून 2025

फास्ट ट्रैक

10 साल के इंतजार के बाद जवाहर विद्यार्थी गृह के चुनाव 15 जून को

नागपुर. जवाहर विद्यार्थी गृह संस्था में पिछले 2015 से चुनाव लंबित थे. जिससे संभासदों को असुविधा हो रही थी, लेकिन अब धर्मादाय आयुक्त के आदेश के बाद 15 जून 2025 को सिविल लाइन स्थित जवाहर विद्यार्थी गृह के सभागृह में यह चुनाव प्रक्रिया पूरी की जाएगी. इसी संदर्भ में पूर्व महापौर शेखर सावरबांधे ने पत्र परिषद में जानकारी देते हुए बताया कि संताजी विकास पैनल की ओर से वे चुनावी मैदान में है. पैनल में 19 उम्मीदवारों का समावेश है. पत्र परिषद में नरेंद्र दिवटे, गंगाधर काचोरे,बालानंद टापरे, हर्षवर्धन बेले, प्रज्ञा बडवाईक, प्रवीण अंबागडे, लोकेश भूरे, हरिष दांडेकर, कृष्णा घुगुस्कर, हरीश जयपुरकर, विजय मोटघरे, प्रा. रमेश पिसे, अनिल साखरकर, केशवानंद सुरकार, प्रकाश तिलगुले,रवि उराडे,श्यामराव वैद्य,सुखदेव वंजारी,सोपान मानकर, प्रभाकर डोकरीकर, बबीता मेहर,नंदकिशोर थोटे, सुधीर आकरे, वामनराव बकाने, प्रमोद नरड आदि उपस्थित थे.

पांधन रास्ते में 'नागपुर पैटर्न'

राजस्व मंत्री बावनकुले का घोषणा

2 हेक्टर भूमि मालिक को भी नुकसान भरपाई

नागपुर. राज्य में हुई बारिश के कारण विदर्भ सहित राज्य के तमाम हिस्सों में बड़ा नुकसान हुआ है. समय से पहले आये मानसून और उससे हुए नुकसान को लेकर किसान सरकार से सहायता की मांग कर रहे हैं. राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने प्रभावित किसानों की सहायता देने की बात कही है. नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए बावनकुले ने कहा, शुरुआत में 10 हजार रुपए मुआवजा देने का निर्णय लिया गया है. अगली कैबिनेट बैठक में पूरे

राज्य को हुए नुकसान की विस्तृत समीक्षा कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी. उसके बाद जल्द ही महाराष्ट्र के किसानों और लोगों को मुआवजा मिलेगा. इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि, 2 हेक्टर भूमि मालिक किसानों को भी नुकसान भरपाई दी जायगी.

बावनकुले ने कहा, महाराष्ट्र में मई महीने में कुछ स्थानों पर अप्रत्याशित

किसानों को भी मिलेगा मुआवजा

मुआवजे पर केंद्र के निर्णय पर बोलते हुए राजस्व मंत्री ने कहा, राज्य सरकार के मापदंड केंद्र सरकार के मापदंड के समान हैं. इस उद्देश्य से ही कि यहां अधिकतम लोगों को अधिकतम मदद मिल सके, सरकार ने सीमा को तीन हेक्टेयर से घटाकर दो हेक्टेयर करने का निर्णय लिया है. ताकि अधिक किसानों और जरूरतमंदों को मदद मिल सके.

लेकिन बड़े पैमाने पर बारिश के कारण नुकसान हुआ है. हमारे यहां 15 जून के बाद बारिश होती है, लेकिन इस साल नुकसान का पंचनामा करने के आदेश दिए गए हैं. कुछ हद तक नुकसान हुआ है. विदर्भ सहित पूरे महाराष्ट्र में नुकसान हुआ है. बावनकुले ने कहा कि, मुख्यमंत्री ने इस मुआवजे के लिए एक स्पष्ट नीति तय की है कि कैबिनेट की बैठक में पहला विषय यही होगा. पिछली कैबिनेट में भी नुकसान और सहायता पर विस्तृत चर्चा हुई थी. राज्य सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग के भी नियम हैं.उन्होंने आगे कहा, दस हजार का मुआवजा देने का निर्णय लिया गया है, पूरे राज्य में हुए नुकसान की विस्तृत समीक्षा अगली कैबिनेट द्वारा कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी. उसके बाद महाराष्ट्र के किसानों और लोगों को जल्द ही मुआवजा मिलेगा.

गूगल मैप के जरिये 2 घंटे में सुनीता ने LOC की पार

पुलिस की पूछताछ में बड़ा खुलासा

नागपुर. पाकिस्तान से तनावपूर्ण माहौल के दौरान नागपुर की रहने वाली सुनीता जामगड़े ने युद्ध जैसे माहौल में महज 2 घंटे में एलओसी पार कर पाकिस्तान की सरहद में प्रवेश कर लिया था. बर्फ से ढके पहाड़, खाई और नदी को पार करते हुए सुनीता पाकिस्तान पहुंची, लेकिन कुछ ही दूरी पर पाकिस्तानी रेंजर्स ने उसे हिरासत में ले लिया था. यह घटना 14 मई की है, जब पाकिस्तानी रेंजर्स ने सुनीता को एलओसी पार करते हुए पकड़ा. सुनीता का दावा है कि वह गिलगिट के रहने वाले जुल्फिकार से मिलने जा रही थी, जिससे उसका स्टोन बिज़नेस का संपर्क था. गूगल मैप पर रास्ता खोजकर, सुनीता ने कारगिल के पास अपने बेटे को छोड़ दिया और अकेले ही एलओसी की ओर बढ़ गई. रास्ते में फिसलने से उसे चोट भी आई, लेकिन उसने हार नहीं मानी और आखिरकार पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हो गई. पाकिस्तानी रेंजर्स ने पहले तो इसे हल्के में लिया, लेकिन जब मामला ऊपर तक पहुंचा, तो सेना हरकत में आई. सुनीता को आंखों

सुनीता के बैंक खाते की जांच में यह सामने आया है कि उसे कुछ भारतीयों से ऑनलाइन पैसे मिले हैं. पुलिस अब इन ट्रांजैक्शनों की तहकीकात कर रही है कि कहीं इसके पीछे कोई और मकसद तो नहीं था. बताया जा रहा है कि सुनीता ने नागपुर से 2 मई को मानसिक उपचार के दस्तावेज तैयार कराए और 4 मई को अमृतसर रवाना हो गई थी. इतनी तेजी से उठाए गए कदमों पर भी अब सवाल उठ रहे हैं. क्या सुनीता का पीओके जाना सिर्फ एक व्यापारिक दौरा था या कुछ और? क्या इसमें किसी बड़े रैकेट का हाथ है? इन सभी सवालों के जवाब खुफिया एजेंसियां और पुलिस तलाश रही है

पर पट्टी बांधकर अज्ञात स्थान पर ले जाया गया और कई दिनों तक पूछताछ की गई. भारतीय एजेंसियों को अब तक की पूछताछ में कोई संवेदनशील जानकारी साझा किए जाने के संकेत नहीं मिले हैं.

शेतकरी मेला 3 जून को आर्णी में

नागपुर. शेतकरी आत्मसम्मान पदयात्रा व शेतकरी मेला का आयोजन 3 जून को आर्णी जिला यवतमाल में किया जा रहा है. यह जानकारी पूर्व मंत्री शिवाजीराव मोघे ने एक पत्र परिषद में दी. उन्होंने बताया कि किसानों की दुर्दशा के लिए केंद्र व राज्य सरकार जिम्मेदार है. किसानों ने सरकार से बेबाकी से सवाल पूछना चाहिए. सन 2024 के विधानसभा चुनावा में किसानों के साथ जो वादे किये गये थे उन वादों को निभाने के राज्य सरकार असफल

रही है. इसी संदर्भ में किसानों को न्याय दिलवाने यह मेला का आयोजन किया जा रहा है. यह मेला 3 जून 2025 को सुबह 11.45 बजे कृषि उत्पन्न बाजार समिति आर्णी जिला यवतमाल में आयोजित है. उसके पहले सुबह 9 बजे पदयात्रा निकाली जाएगी. पत्र परिषद में उन्होंने बताया कि मेले में किसानों को संपूर्ण कर्जमाफी , स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, किसानों के माल को गारंटी भाव,फसल बीमा, किसानों को मुफ्त बिजली, जंगली जानवरों से सुरक्षा हेतु बाड के साथ ही अन्य मांगों के लिए मेला का आयोजन किया जा रहा है. पत्र परिषद में पूर्व मंत्री मोघे, गिरिश पांडव, प्रमोद सोरते,रहमान कुरैशी के साथ ही अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

रिकॉर्ड समय में डबल स्लिप डायमंड क्रॉसिंग का नवीनीकरण

मालगाड़ी संचालन में होगा और भी सुगम

नागपुर. मध्य रेलवे के नागपुर मंडल ने अजनी गुड्स यार्ड को नागपुर यार्ड से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण डबल स्लिप डायमंड क्रॉसिंग के नवीनीकरण कार्य को रिकॉर्ड समय में सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है. यह क्रॉसिंग नागपुर क्षेत्र में मालगाड़ियों के निर्बाध संचालन के लिए अत्यंत आवश्यक मानी जाती है. नवीनीकरण से पहले इस क्रॉसिंग में 4 घिसे हुए टंग रेल, एक क्षतिग्रस्त ऑब्ट्यूस क्रॉसिंग और 41 स्विच प्वाइंट

स्लीपर में पाए गए नॉचेस के कारण संचालन में बार-बार समस्याएँ आ रही थीं. इससे न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि सुरक्षा संबंधी चिंता भी बनी रहती थी. नागपुर मंडल के इंजीनियरिंग विभाग ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य को अत्यधिक सुनियोजित ढंग से दो चरणों में पूरा किया.पहले चरण में 41 क्षतिग्रस्त स्लीपरों को बदला गया और डीप स्क्रीनिंग की गई, जिससे ट्रैक की स्थिरता और मजबूती सुनिश्चित हुई.

आलेगांव में वर्ली मटका जुआ

अड्डे पर छापा, 6 गिरफ्तार

अकोला. स्थानीय अपराध शाखा की अकोला टीम ने पातुर तहसील के चन्नी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आलेगांव में पुलिस चौकी से मात्र 100 फीट की दूरी पर संचालित वर्ली मटका जुआ अड्डे पर छापा मारकर 6 लोगों को गिरफ्तार किया. इस दौरान पुलिस ने 2 लाख 14 हजार 290 रुपए का कीमती सामान जब्त किया. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अर्चित चांडक के मौखिक आदेश पर की गई. स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक शंकर शेलके के निर्देश पर एलसीबी टीम ने चन्नी पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत आलेगांव में अवैध जुआ अड्डे पर छापा मारा. इस दौरान छह आरोपी वर्ली मटका खेलते पाए गए. पुलिस ने 26,290 रुपए नकद, 1,60,000 रुपए की तीन मोटरसाइकिल, 21,000 रुपए के तीन मोबाइल फोन, 6,000 रुपए की छह प्लास्टिक की कुर्सियां और 1,000 रुपए के दो पानी के डिब्बे, कुल 2,14,290 रुपए जब्त किए. इस मामले में गणेश ज्ञानदेव देऊलकर उम्र 52 वर्ष निवासी मालीपुरा, आलेगांव, तल्याराखा कालेखा उम्र 64 वर्ष निवासी वंजारीपुरा, आलेगांव, सैयद इमरान सैयद ख्वाजा उम्र 40 वर्ष, सरकारी अस्पताल के पास, अलेगांव, राहुल देवेन्द्र सरकटे उम्र 44 वर्ष, निवासी अम्बाशी, ताल पातुर, प्रफुल्ल शालिग्राम जाधव उम्र 35 वर्ष, निवासी भिंडी महल, ताल बार्शीटाकली और विष्णु आनंद तिवाले, उम्र 49 वर्ष, उमरवाड़ी, ताल पातुर के निवासी के खिलाफ चन्नी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

खरीफ सीजन में किसानों की सुरक्षा का संकल्प

कृषि केंद्रों पर लगा उड़न दस्तों का कड़ा पहरा

भंडारा. खरीफ मौसम में किसानों को गुणवत्ताहीन बीज, खाद या कीटनाशकों से बचाने के लिए कृषि विभाग ने जिले में उड़न दस्ते गठित किए हैं. इन दस्तों की कड़ी निगरानी से किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. नियमों का उल्लंघन करने वाले कृषि केंद्रों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें स्थायी रूप से बंद भी किया जा सकता है.

यदि किसानों को बीज, खाद या कीटनाशकों की गुणवत्ता में कोई कमी या मिलावट का संदेह हो, तो वे उपविभागीय कृषि अधिकारी की अध्यक्षता वाली शिकायत निवारण समिति में लिखित शिकायत कर सकते हैं. इसके अलावा, वे पंचायत समिति या तालुका कृषि अधिकारी कार्यालय में भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं. कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन शिकायतों की गंभीरता से जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. किसानों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिले के हर तालुका और जिला स्तर पर विशेष निगरानी दस्ते बनाए गए हैं. ये दस्ते बीज, खाद और कीटनाशकों की बिक्री और गुणवत्ता पर सतत नजर रख रहे हैं. कृषि केंद्र संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमों का सख्ती से पालन करें और किसानों के हितों की रक्षा करें.

अब तक की गई कार्रवाई

उड़न दस्तों ने इस खरीफ सीजन में कई कृषि केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की है. विभाग ने साफ कहा है कि किसानों के साथ धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

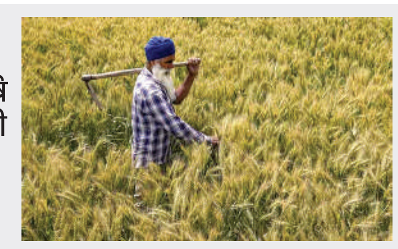

कृषि विभाग की किसानों से अपील

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे प्रमाणित और रसीद के साथ ही बीज, खाद तथा कीटनाशक खरीदें. किसी भी अनियमितता या समस्या की सूचना तुरंत विभाग को दें. विभाग किसानों की सुरक्षा और हित के लिए निरंतर प्रयासरत है.

एनसीपी अपने दम पर लड़ेगी निकाय चुनाव

विधायक कारेमोरे ने दी बड़ी जानकारी

भंडारा. सुप्रीम कोर्ट के आदेश पश्च्यात राज्य की सभी राजनीतिक दल चुनाव की तैयारी में लग गए हैं. राज्य की सत्ता में बैठी महायुति के घटक दल एक साथ चुनाव लड़ेंगे या अकेले अकेले इसको लेकर चर्चाओं का दौर शुरू है. इसी बीच एनसीपी नेता और तुमसर विधायक राजू कारेमोरे ने बड़ा बयान दिया है. कारेमोरे ने कहा कि, पंचायत समिति, जिला परिषद, नगर परिषद और नगर पालिका चुनाव में एनसीपी अजित पवार गुट अकेले लड़ेगा. इससे पार्टी, कार्यकर्ताओं और नेताओं की ताकत का पता चलता है. ये चुनाव जमीनी स्तर तक पहुंचने का एक तरीका है. इससे कार्यकर्ताओं का विकास होता है, उनके गुणों का पता चलता है. इसलिए हमारी पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ेगी, इसी को ध्यान में रखकर तैयारी चल रही है.

आगामी निकाय चुनाव को लेकर पूछे सवाल पर बोलते हुए एनसीपी विधायक ने कहा, ₹बूथों का निर्माण कार्य चल रहा है.

नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने का काम चल रहा है. नए सदस्य बनाए जा रहे हैं. विदर्भ में पार्टी के छह विधायक और एक मंत्री हैं. प्रफुल पटेल के नेतृत्व में काम चल रहा है. विधानसभा के छह विधायकों और विधान परिषद के विधायकों को जिम्मेदारी दी गई है.आगामी चुनाव में एनसीपी किन मुद्दों को लेकर जमीन पर जाएगी इसको लेकर भी कारेमोरे ने जानकारी दी. एनसीपी विधायक ने कहा, अजितदादा जिस गति से काम करते हैं, वह आम लोगों को न्याय दिलाने की कोशिश करते हैं. कोरोना संकट के दौरान उन्होंने जो वित्तीय योजना बनाई, उससे राज्य के लोगों को राहत मिली. इसी को ध्यान में रखते हुए वे मुद्दों को लेकर लोगों के बीच जाएंगे.

एकेले लड़ना या रहना आलाकमान तय करेगा

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा था कि कुछ जगहों पर गठबंधन होगा और कुछ जगहों पर हम अपने दम पर लड़ेंगे. इस पर राजू करमोरे ने कहा, यह फैसला पार्टी नेतृत्व करेगा. हमने अपनी ताकत के लिए तैयारी की है. पार्टी जो भी फैसला लेगी, वह स्वीकार्य होगा. अपने दम पर लड़ने के बाद फिर से एक साथ आने का फैसला पार्टी नेतृत्व करेगा.

तार चुराने वाले चोरों का गिरोह गिरफ्तार

गोंदिया. गोंदिया स्थानीय अपराध शाखा पुलिस ने गोंदिया जिले के रावनवाड़ी पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले मुरपार में बिजली के खंभों से बिजली के कंडक्टर और एल्युमीनियम तार चुराने वाले चोरों के गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों के नाम प्रमोद मेहर (34), रामा मेश्राम (23), राजू मेश्राम (31), अंकुश मेश्राम (25) और महेंद्र कांबले (19) हैं. शिकायतकर्ता सुमित सिंह बग्गा ने इस संबंध में रावनवाड़ी में शिकायत दर्ज कराई थी. इसमें गोंडीटोला और हर्षवर्धन चौक, मुरपार के बीच 6 बिजली के खंभों पर लगे 1 लाख 40 हजार रुपए के बिजली के कंडक्टर तार चोरों ने 19 अप्रैल से 20 अप्रैल के बीच चुरा लिए.

काशी नदी पर बने टूटे बांध की मरम्मत करें

अमरावती. मोर्शी तहसील के विष्णोरा में 2018 और 19 में स्थानीय काशी नदी पर किसानों को टाटा ट्रस्ट और महाराष्ट्र सरकार के संयुक्त कोष से उनकी फसलों के लिए भरपूर पानी मुहैया कराया गया ताकि किसानों का उत्पादन बढ़े. साथ ही जलस्त्रोत का जलस्तर भी बढ़े. ऐसा करने के लिए काशी नदी पर चार किलोमीटर लंबी नदी को गहरा किया गया और उस नदी पर पानी जमा करने के लिए पांच सीमेंट बांध भी बनाए गए. इससे नदी के तल में बड़ी मात्रा में पानी जमा हो गया. साथ ही जलस्रोत का स्तर भी बढ़ गया. हालांकि, दो साल पहले बड़े पैमाने पर बाढ़ आने के कारण काशी नदी पर बने बांध टूट गए और बांधों में पानी नहीं रुका और किसानों को कावड़ी का लाभ नहीं मिला. इसके विपरीत, विष्णोरा में दो किसानों के खेत बाढ़ के कारण बह गए और चूंकि इस वर्ष भी यही स्थिति हो रही है, इसलिए ग्राम पंचायत के माध्यम से सांसद और पूर्व पालकमंत्री को ज्ञापन भी दिया गया. हालांकि, अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है और ऐसा देखा जा रहा है कि सरकार का करोड़ों रुपए का खर्च पानी में बह गया है. किसानों के खेतों को कोई नुकसान न हो और सरकार का करोड़ों रुपए का खर्च व्यर्थ न जाए, इस पर प्रशासन को ध्यान देने की जरूरत है.

खरीफ सीजन में किसानों की सुरक्षा का लिया संकल्प

नागरिकों में दहशत का माहौल

चंद्रपुर. चंद्रपुर जिले के सिंदेवाही तहसील में डेढ़ साल बाद एक बार फिर जंगली हाथियों का दल आ पहुंचा है. रिहायशी इलाके में हाथियों के घूमने से नागरिकों में दहशत का माहौल है. गढ़चिरौली के रास्ते आए ये हाथी सावली और सिंदेवाही वन क्षेत्र में सक्रिय हैं.सिंदेवाही तहसील के कलमगांव गन्ना और कुकड़हेटी इलाके में दो हाथियों को घूमते देखा गया. बताया जा रहा है कि हाथियों ने कुछ जगहों पर नागरिकों का पीछा भी किया, जिससे इलाके में काफी दहशत है. सिंदेवाही तहसील पहले से ही बाघों और अन्य जंगली जानवरों के आतंक से ग्रस्त है और अब इन जंगली हाथियों के आने से मानव-वन्यजीव संघर्ष और भी बढ़ गई है. वन विभाग को सूचना मिली कि हाथी शिवनी वन क्षेत्र के कुकड़हेटी में घुस आया है. इसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद है और हाथी की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है. नागरिकों ने मांग की है कि वन विभाग तत्काल हाथियों को पकड़े ताकि किसी भी तरह की जनहानि से बचा जा सके. क्यूंकि इससे पहले हाथियों ने गडचिरोली और गोंदिया जिले

पुलिस ने 4 के खिलाफ दर्ज किया मामला

उद्धव गुट नेता से मांगी डेढ़ करोड़ की फिरौती

बुलढाणा. मलकापुर में शिवसेना ठाकरे गुट के तहसील प्रमुख दीपक चंभारे पाटिल से डेढ़ करोड़ रुपए की फिरौती मांगने के आरोप में अकोला के चार लोगों के खिलाफ मलकापुर शहर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है. आरोपियों में गणेश धोत्रे, दिनकर धोत्रे और अकोला के दो अन्य लोग शामिल हैं. आरोपियों ने कहा कि तुम्हारे खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस ले लेंगे, बदले में डेढ़ करोड़ रुपए दे दो, अगर पैसे नहीं दोगे तो तुम्हें झूठे अपराध में फंसा देंगे और तलवार से काटकर मार डालेंगे, उन्होंने तालुका प्रमुख दीपक चंभारे को धमकी भी दी. साथ ही पिछले दो महीने से धोत्रे बंधु और दो अन्य लोग फोन पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बार-बार पैसे की मांग कर रहे हैं और धमकी दे रहे हैं कि अगर पैसे नहीं दिए तो अंजाम बुरा होगा.

जोरगेवार बनाम मुनगंटीवार

चंद्रपुर महानगर अध्यक्ष पद पर निर्णायक विजय

चंद्रपुर. भारतीय जनता पार्टी की चंद्रपुर महानगर इकाई के अध्यक्ष पद को लेकर लंबे समय से चल रही गुटबाजी और रस्साकस्सी आखिरकार एक निर्णायक मोड़ पर पहुंची है. दो प्रभावशाली गुट एक ओर वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, तो दूसरी ओर आक्रमक नेता और विधायक किशोर जोरगेवारने इस पद को लेकर पूरी ताकत झोंक दी थी.दोनों ही गुटों ने अपने-अपने समर्थक कार्यकर्त्यां को अध्यक्ष पद दिलाने के लिए जबरदस्त रणनीतिक मोर्चाबंदी की थी.अंततः जोरगेवार समर्थक सुभाष कासनगोटूवार को चंद्रपुर महानगर बीजेपी अध्यक्ष पद की कमान सौंप दी गई है, जबकि मुनगंटीवार समर्थक हरीश शर्मा को दोबारा ग्रामीण जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है.इस नियुक्ति से यह साफ हो गया है कि अब महानगर संगठन पर जोरगेवार गुट का प्रभाव मजबूत हुआ है. सूत्रों के अनुसार, इस बार मामला इतना गर्माया था कि पार्टी को निरीक्षक भेजकर दोनों गुटों से राय लेनी पड़ी. इस दौरान शक्ति प्रदर्शन भी जमकर हुआ. किस गुट के पास कितने कार्यकर्ता, कैसा जनाधार, किसकी पकड़ मजबूत यह सब कुछ दिखाने की कोशिश की गई. आखिरकार अध्यक्ष पद की माला जोरगेवार गुट के गले में पड़ी, और मुनगंटीवार गुट को महानगर मे पीछे हटना पडा.अब राजनीतिक हलकों में यह चर्चा का विषय बन गया है कि मुनगंटीवार और उनके समर्थक आने वाले समय में कौन सी रणनीति अपनाते हैं. क्या संगठन के भीतर शांति बनी रहेगी, या यह गुटीय संघर्ष आगे और तीव्र होगा. इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं.

हरीश शर्मा चंद्रपुर भाजपा जिला अध्यक्ष नियुक्त

सुधीर मुनगंटीवार ने दी शुभकामनाएं

चंद्रपुरः एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांतों पर काम करने वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी के चंद्रपुर जिला (ग्रामीण) अध्यक्ष पद पर हाल ही में नियुक्तियां घोषित की गई. इस चयन के तहत श्री हरीश शर्मा को एक बार फिर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है.उल्लेखनीय है कि बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र को एक बार फिर जिला अध्यक्ष पद का गौरव प्राप्त हुआ है. हरीश शर्मा के नेतृत्व में पार्टी संगठन ने पहले भी मजबूत काम किया है और उनकी कार्यकुशलता, संगठनात्मक कौशल और व्यापक जनसंपर्क के कारण ही उन्हें फिर से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है.पूर्व राज्य वन और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने इस पुनर्नियुक्ति पर अपनी बधाई व्यक्त करते हुए कहा, “श्री हरीश शर्मा के सक्षम नेतृत्व में पार्टी संगठन मजबूत होगा और पार्टी के विचार अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचेंगे,” उन्होंने विश्वास व्यक्त किया.

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट शीघ्र लागू हो: एड. नागेंद्र कुमार

तीन मूर्ति भवन में अ.भा.संयुक्त अधिवक्ता मंच का चौथा राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

नागपुर. अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम समय की मांग है और इसके लिए हर लड़ाई लड़ने को मंच के साथ वकील भी तैयार हैं इस संदर्भ में बार काउंसिल और एसोसिएशन आदि से भी चर्चा की गई, सभी का मानना है कि देश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट अति शीघ्र लागू होना चाहिए₹ यह कहना है नई दिल्ली बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एड.नागेंद्र कुमार का, वे तीन मूर्ति भवन के सभागृह में अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच भारत के चौथे राष्ट्रीय अधिवेशन मे मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे . कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एड. चंद्रकुमार वलेजा कुमार ने की जबकि मंच के राष्ट्रीय संरक्षक कैलाश गौतम वरिष्ठ सदस्य मनोज संघपाल, अंजली शर्मा, मनोहर चंचलानी डॉ.मनोज अहूजा विशेष रूप से उपस्थित थे . इस अवसर पर देश के लगभग 19 राज्यों के अधिवक्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे . अधिवक्ता नागेंद्र कुमार ने आगे कहा कि इस मंच के सदस्यों का उत्साह देखकर ऐसा लग रहा है कि जल्द ही एडवोकेट प्रोडक्शन एक्ट किस देश में लागू हो जाएगा. एड. सर्वश्री कैलाश गौतम, डॉ मनोज अहूजा, गंगा

प्रसाद यादव, अंजली शर्मा मनोज संघपाल, छत्रपति शर्मा, विलास राउत, शैलेश सक्सेना, प्रभात मिश्रा, आदि ने एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट के साथ वकीलों के लिए स्वास्थ्य बीमा, जूनियर वकीलों के लिए स्टाइपेंड, पेंशन आदि की मांग भी इस दौरान मंच से बोलते हुए की . इस अधिवेशन में विभिन्न राज्यों मे उल्लेखनीय कार्य करने वाले अधिवक्ताओं का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया. अध्यक्ष पद से बोलते हुए एडवोकेट वलेजा ने कहा कि मंच की स्थापना का उद्देश्य वकीलों के भविष्य को मजबूत बनाने के साथ-साथ उनके परिवार का ध्यान रखना भी है .

NCP की बैठक 3 को

नागपुर. स्थानीय निकाय (जिला परिषद, पंचायत समिति, नगर पालिका, नगर पंचायत) चुनाव जल्द ही होने की संभावना है और इसकी योजना बनाने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस शरदचंद्र पवार पार्टी की जिला कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार 3 जून को दोपहर 2:00 बजे पूर्व राज्य गृहमंत्री और विदर्भ प्रभारी माननीय श्री अनिलबाबू देशमुख की उपस्थिति में और जिला अध्यक्ष माननीय श्री प्रवीण कुंटे पाटिल की अध्यक्षता में गणेश पेठ, नागपुर स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई है. इस अवसर पर माननीय श्री रमेशचंद्र बंग - पूर्व मंत्री, माननीय श्री विजय घोड़मारे पाटिल - पूर्व विधायक, माननीय श्री प्रकाशजी गजभिये - पूर्व विधायक, माननीय श्री सलिलबाबू देशमुख, माननीय श्री किशोरजी गजभिये पूर्व चार्टर्ड अधिकारी और राज्य उपाध्यक्ष, माननीय श्री किशोरजी बेलसरे - जिला कार्यकारी अध्यक्ष, माननीय श्री शेखर (बाबा) कोल्हे - श्री विनोद जी हरदे - प्रदेश महासचिव, मा. श्री. अविनाश जी गोतमारे-प्रदेश महासचिव मा. श्री. अनिल जी साठोन - प्रदेश महासचिव, मा. श्री. सुरेश जी गुड्डे पाटिल-प्रदेश सचिव माननीय. श्री. प्रेम जी झाडे-प्रदेश सचिव, महिला जिला अध्यक्ष- डॉ. वैशालीताई तालातुले, युवा जिला अध्यक्ष- मान. श्री. पंकज चुकाम्बे, सेवादल जिला अध्यक्ष-मा. श्री. योगेश धनुस्कर एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे.

मामला पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने खोला गंभीर राज

किशोरी की आत्महत्या से उठे सवाल

अमरावती. अमरावती शहर के गाडगेनगर थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीय किशोरी की आत्महत्या की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है. परिजनों के अनुसार, किशोरी बीते कुछ दिनों से मानसिक तनाव से जूझ रही थी. इसी के चलते 28 मई की रात उसने घर में फांसी लगाकर अपना जीवन समाप्त कर लिया. अगले दिन की गई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जो खुलासा हुआ वह काफी चौकाने वाला था.

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पाया गया कि किशोरी लगभग एक माह की गर्भवती थी. इस आधार पर परिजनों ने एक 17 वर्षीय नाबालिग के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने बलात्कार, पोक्सो अधिनियम और आत्महत्या के लिए उकसाने जैसी धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किया है.

फोन पर मां को दी थी जानकारी

किशोरी की मां ने पुलिस को बताया कि घटना वाले दिन, यानी 28 मई की शाम, वह कैटरिंग के काम से एक स्थानीय लॉन में गई हुई थीं.

रात करीब 8 बजे बेटी ने उन्हें फोन कर सूचित किया कि एक पड़ोसी महिला, जो आरोपी की मां है, उसने उसे अपने घर बुलाया है, इसलिए वह वहां जा रही है. कुछ समय बाद जब परिजन घर लौटे, तो किशोरी बाथरूम में फंदे से

लटकी हुई मिली. तुरंत उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.29 मई को हुए शव परीक्षण में यह तथ्य सामने आया कि किशोरी गर्भवती थी. यह जानकारी मिलते ही परिजनों ने पुलिस को दी गई शिकायत में आरोप लगाया कि एक 17 वर्षीय किशोर किशोरी पर लगातार मानसिक दबाव बना रहा था और जबरन बातचीत तथा शारीरिक संबंधों के लिए मजबूर करता था. परिजनों का यह भी कहना है कि कुछ दिन पूर्व ही उन्होंने आरोपी को इस विषय में समझाइश दी थी, लेकिन बात नहीं मानी गई.गाडगेनगर पुलिस ने किशोरी की मां की शिकायत के आधार पर आरोपी किशोर के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), धारा 305 (आत्महत्या के लिए प्रेरित करना), और पोक्सो अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है.

परिवार का परिचित था आरोपी किशोर

पुलिस जांच में यह बात भी सामने आई है कि आरोपी किशोर मृतक का और उसके परिवार का परिचित था. दोनों के बीच पहले से जान-पहचान थी, लेकिन हाल के दिनों में रिश्तों में तनाव की स्थिति बन गई थी. परिजनों का कहना है कि किशोरी इस पूरे घटनाक्रम को लेकर काफी परेशान थी, लेकिन उसने अपने भीतर चल रही पीड़ा किसी से साझा नहीं की.

रामपुरी कैम्प से 10.43 लाख का गुटखा जब्त

पुलिस और अन्न व आपूर्ति विभाग की संयुक्त कार्रवाई

अमरावती. अमरावती के पुलिस आयुक्त अरविंद चावसिया द्वारा पदभार ग्रहण करते ही शहर पुलिस ने गुटखा माफियाओं पर सख्त कार्रवाई तेज कर दी है. इसी कड़ी में पिछले चार दिनों में तीसरी बड़ी कार्रवाई हुई है, जिसमें पुलिस ने शहर के रामपुरी कॅम्प क्षेत्र में छापा मारकर 10 लाख 43 हजार रुपये का गुटखा जब्त किया है.

अमरावती के नए पुलिस आयुक्त ने अपना कार्यभार सँभालने के साथ ही शहर में कानून-व्यवस्था पर गंभीरता से कार्य शुरू की है. इसके तहत सबसे पहले अवैध कारोबार करने वालों पर नकेल कसा जा रहा है. ऐसे ही क्राइम ब्रांच को गश्त के दौरान सूचना मिली कि रामपुरी कॅम्प में

स्थित एक मकान में बड़े पैमाने पर गुटखा जमा किया गया है. इस सूचना के आधार पर पुलिस ने अन्न सुरक्षा अधिकारी गजानन गोरे के साथ मिलकर छापा मारा. परिसर में रहने वाले राजेश केसवाणी के घर की तलाशी ली गई, जहां दो बंद कमरों में गुटखे की बड़ी खेप पाई गई. आरोपी ने पूछताछ में बताया कि यह गुटखा बिक्री के उद्देश्य से लाया गया था. पुलिस ने गुटखा जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है. अन्न सुरक्षा अधिकारी गजानन गोरे की शिकायत पर गाडगेनगर पुलिस स्टेशन में राजेश केसवाणी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. इस कार्रवाई से शहर में गुटखा माफियाओं में खलबली मच गई है .

गडचिरोली में भाजपा को फिर मिला 'ओबीसी' चेहरा

रमेश बारसागड़े को कमान

गडचिरोली. भाजपा ने 13 मई को राज्यव्यापी कार्यकारिणी में बदलाव करते हुए जिला अध्यक्षों की घोषणा की. यह परिवर्तन संगठन पर्व के तहत किए गए. हालाँकि, 22 जिलों के संबंध में निर्णय सुरक्षित रखा गया. इसमें गडचिरोली भी शामिल था. अंततः 31 मई को क्षेत्रीय कार्यालय ने शेष जिला अध्यक्षों की सूची घोषित कर दी. रमेश बरसागड़े को गडचिरोली भाजपा जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया. आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने फिर से 'ओबीसी कार्ड' खेला, लेकिन प्रशांत वाघरे की जगह बारसागड़े के रूप में एक नया मोहरा ला दिया. सबकी नजर इस बात पर लगी थी कि भाजपा का जिला अध्यक्ष कौन बनेगा. अंततः 31 मई को यह इंतजार खत्म हुआ. प्रदेश चुनाव अधिकारी चैनसुख संचेती ने 22 जिला अध्यक्षों के निर्वाचन की घोषणा की. लोकसभा सहित सभी तीन विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं, इसलिए ओबीसी को अवसर देने की गुंजाइश है, जो संगठनात्मक स्तर पर बहुमत में हैं. कांग्रेस द्वारा कुनबी समाज से आने वाले महेंद्र ब्राह्मणवाड़े को जिला अध्यक्ष पद देने के बाद भाजपा ने भी 20 जुलाई 2023 को प्रशांत वाघरे को जिला अध्यक्ष बनाकर कुनबी कार्ड खेला. पार्टी ने तेली समुदाय से आने वाले रमेश बरसागड़े को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया. मुख्यमंत्री तथा पालकमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश अध्यक्ष तथा राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, विधायक डॉ. मिलिंद नरोटे, पूर्व सांसद अशोक नेते, पूर्व विधायक डॉ. देवराव होली, कृष्णा गजबे, पूर्व राज्यमंत्री अंबरीशराव आत्राम, वरिष्ठ सहकार नेता अरविंद पोरेड्डीवार, महिला जिला अध्यक्ष गीता हिंगे आदि ने उनका स्वागत किया.

राजनीति में गुटबाजी का उदय

भाजपा में गुटबाजी की राजनीति जोरों पर है. ऐसे में जिला अध्यक्ष के तौर पर रमेश बारसागड़े को सभी को एकजुट रखकर पार्टी को खड़ा करना होगा. स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर बारसागड़े को जिम्मेदारी सौंपी गई है. तो फिर उनके नेतृत्व का क्या प्रभाव होगा?

चुनाव बनी एक चुनौती

रमेश बारसागडे चमोर्शी में शिवाजी कॉलेज में प्रोफेसर हैं. उनकी राजनीति राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से शुरू हुई. बाद में वह भाजपा के सदस्य बन गये. 2017 में वह कुंगहाड़ा जिला परिषद के लिए चुने गए. भाजपा ने इस समूह से अपनी किस्मत आजमाई और जीत हासिल की. ज़िप कोड. उन्होंने कृषि परिषद के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया. पार्टी में वे एक शांत एवं संयमित नेता के रूप में जाने जाते हैं.

बिश्नोई-गुज्जर गिरोह का कुख्यात गैंगस्टर 2 साल से यवतमाल में

पुलिस ने किया गिरफ्तार

यवतमाल. भारत के कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गिरोह और बिन्नी गुज्जर गिरोह का सक्रिय सदस्य और राजस्थान पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल भूपेंद्र सिंह उर्फ रघु उर्फ भिंडा को यवतमाल स्थानीय अपराध शाखा ने गिरफ्तार कर लिया है. जिले में नशा विरोधी अभियान के दौरान यह बड़ी कार्रवाई की गई. बिश्नोई गुज्जर गिरोह का कुख्यात फरार सुपारी किलर भिंडा को यवतमाल पुलिस ने शनिवार को पकड़ा. आरोपी की पहचान भूपेंद्र सिंह उर्फ भिंडा उर्फ रघुवीर (35 वर्ष) निवासी अहरना खुर्द, पो. मेहटियाना, होशियारपुर (पंजाब) के रूप में हुई है. लॉरेंस बिश्नोई और बित्री गुज्जर गिरोह से जुड़ा आरोपी पिछले कुछ सालों से हत्या, जबरन वसूली और आर्म्स एक्ट जैसे अपराधों में विभिन्न राज्यों में फरार चल रहा था. गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे शहर के दांडेकर लेआउट से गिरफ्तार किया, पुलिस अधीक्षक कुमार चिंता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी. जब पुलिस जिला पुलिस अधीक्षक कुमार चिंता के आदेश पर शहर में नशे के खिलाफ अभियान चला रही थी, तब पुलिस को विश्वसनीय गोपनीय सूचना मिली कि पंजाब के होशियारपुर जिले का निवासी और हत्या जैसे गंभीर अपराधों में भगोड़ा भूपेंद्र सिंह उर्फ भिंडा यवतमाल के जांब रोड इलाके में झूठी पहचान छिपाकर रह रहा है. उसके बाद पुलिस को पता चला कि वह दांडेकर लेआउट इलाके में किराए के मकान में रह रहा है, पुलिस ने इलाके को घेर लिया और छापेमारी की. पुलिस को सूचना मिलते ही भिंडा भागने की कोशिश करने लगा. हालांकि, पुलिस ने उसे पकड़ लिया और विरोध करने के बावजूद हिरासत में ले लिया.

गोंदिया में 126 केंद्रों पर 80 करोड़ रुपये का धान खरीदा

अब तक 37,661 किसानों ने खरीदी

गोंदिया. गोंदिया जिले में ग्रीष्मकालीन धान की फसल को बेमौसम बारिश के कारण बड़ा नुकसान हुआ है. हजारों हेक्टेयर में धान की फसल अभी भी खेतों में खड़ी है. जलवायु परिवर्तन के कारण लगभग हर दिन हल्की से मध्यम बारिश हो रही है. जिससे चावल की कटाई संभव नहीं है. लेकिन जिन किसानों ने पहले ही धान की कटाई और थ्रेसिंग पूरी कर ली है, वे अब सरकारी धान खरीदी केंद्रों पर अपना धान बेच रहे हैं और धीरे-धीरे सरकारी धान की खरीदी जोर पकड़ रही है. जिला विपणन अधिकारी विवेक इंगले से मिली जानकारी के अनुसार गोंदिया जिले में विपणन महासंघ के 187 धान खरीदी केंद्रों पर अब तक कुल 37,661 किसानों ने धान बिक्री के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया है. कुल 175 संस्थाओं को धान खरीदी शुरू करने का आदेश दिया गया है. लेकिन अभी तक 126 केंद्रों पर सीधी धान खरीदी शुरू हो पाई है. इन 126 केंद्रों पर 30 मई तक 7,168 किसानों से 3,43,784 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है. खरीदे गए धान की कुल कीमत 79 करोड़ 70 लाख 3 हजार 545 रुपये बताई जा रही है. फिलहाल ग्रीष्मकालीन रबी सीजन की धान खरीदी का भुगतान किसी भी किसान को नहीं किया गया है. केंद्र सरकार ने हाल ही में धान के समर्थन मूल्य में 79 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की है. इसलिए अगले कुछ दिनों में सरकारी खरीद में और तेजी आने की उम्मीद है. अगर मौसम ने साथ दिया और कुछ दिनों तक बारिश नहीं हुई तो धान की कटाई और चोरी जल्दी हो जाएगी. इसके साथ ही सरकारी धान खरीद में भी तेजी आने की संभावना है. जिला विपणन अधिकारी विवेक इंगले ने बताया कि आने वाले दिनों में और भी धान खरीद केंद्र खोले जाएंगे.

नेताओं के पीछे मत चलो, वरना टिकट नहीं

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की कार्यकर्ताओं को सलाह

अमरावती. भाजपा में सिफारिश के जरिये उम्मीदवारी नहीं दी जाती. आगामी जिला परिषद और नगर निगम चुनावों में पार्टी के कार्यक्रमों को अच्छे ढंग से क्रियान्वित करने वाले तथा 51 प्रतिशत से अधिक वोट पाने वाले कार्यकर्ता को ही टिकट मिलेगा. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी कि वे पार्टी के जिला अध्यक्ष या शहर अध्यक्ष के पीछे अनावश्यक रूप से न पड़ें, अन्यथा उन्हें टिकट नहीं दिया जाएगा. यहां परिणय बंद हॉल में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई. वे उस समय बोल रहे थे. सभा में पूर्व सांसद नवनीत राणा, विधायक प्रताप अडसड, केवलराम काले, प्रवीण तायड़े, उमेश यावलकर, पूर्व विधायक प्रवीण पोटे आदि उपस्थित थे. चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि अमरावती जिले के विस्तार को ध्यान में रखते हुए यहां दो जिला अध्यक्ष और एक शहर अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है.ये नियुक्तियां किसी के कहने पर नहीं की गईं. विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी के आदेश का पालन करने वाले, पार्टी के लिए अपना जीवन बलिदान करने वाले कार्यकर्ताओं को हमने सम्मान दिया है और उन्हें अध्यक्ष पद से नवाजा है. मेलघाट में जहां प्रभुदास भिलावेकर की उम्मीदवारी तय हुई, वहीं केवलराम काले के नाम पर मुहर लगी. उस वक्त प्रभुदास भिलावेकर पीछे हट गये. रविराज देशमुख ने पार्टी से अपना नाम वापस ले लिया. दोनों को जिला अध्यक्ष का पद मिला है. डॉ. नितिन धांडे ने यह जानते हुए भी कि विपरीत परिस्थितियों में वे निर्वाचित नहीं हो पाएंगे, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा की उम्मीदवारी स्वीकार कर ली. उनमें लड़ने की क्षमता है. उन्हें नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है. अब इस अध्यक्ष के सामने चुनौती पार्टी के कार्यक्रमों को सही ढंग से क्रियान्वित करने की है. पार्टी ने कुल 11 कार्यक्रम दिए हैं. सभी को विश्वास के साथ काम करना होगा. बावनकुले ने कहा कि अध्यक्ष को नेता की तरह नहीं, बल्कि कार्यकर्ता की तरह काम करना चाहिए.

प्रवीण पोटे को सलाह

पूर्व विधायक प्रवीण पोटे कथित तौर पर शहर अध्यक्ष के रूप में दूसरा मौका न दिए जाने से परेशान थे, लेकिन चंद्रशेखर बावनकुले ने उन्हें काम पर लगने की सलाह दी. बावनकुले ने कहा, नवनीत राणा लोकसभा चुनाव में हार गये थे. लेकिन वे लगातार काम कर रहे हैं. कभी वे हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं, तो कभी कांग्रेस नेताओं के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं. वे स्थिर नहीं बैठते. प्रवीण पोटे को भी शांत नहीं बैठना चाहिए. राजनीतिक कार्यकर्ताओं को चुप नहीं बैठना चाहिए. सभी नेताओं को एक साथ बैठकर आगामी नगर निगम चुनावों के लिए रणनीति बनानी चाहिए.

फास्ट ट्रैक

कांग्रेस निकालेगी किसान स्वाभिमान मार्च

नागपुर. कांग्रेस प्रदेश समिति ने 3 जून को यवतमाल जिले के आर्णी तहसील के दाभाडी स्थित ओंकारेश्वर मंदिर से 'किसान स्वाभिमान पदयात्रा' निकालने की घोषणा की है. पूर्व मंत्री शिवाजीराव मोघे ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में जानकारी दी कि यह यात्रा आर्णी बाजार समिति में एक विशाल किसान सभा में तब्दील होगी. इस मार्च का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल करेंगे. इस पदयात्रा में सांसद प्रणीति शिंदे, प्रतिभा धानोरकर, माणिकराव ठाकरे आदि भाग लेंगे. शिवाजीराव मोघे ने बताया कि विदर्भ के सभी सांसदों को भी आमंत्रित किया गया है. 20 मार्च 2014 को तत्कालीन प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने दाभाडी में 'चाय पर चर्चा' के दौरान किसानों से बातचीत करते हुए 19 वादे किए थे. इसके बाद मोदी प्रधानमंत्री बने. लेकिन इनमें से 18 वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं. केवल नर्मदा नदी पर बांध बनाकर विदर्भ को पानी उपलब्ध कराने की पहल शुरू की गई है.

काम दिलाने के बहाने युवती को 2.5 लाख रुपये में बेचा

जबरन शादी कराई

अमरावती. एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जिसमें एक 19 वर्षीय लड़की को गुजरात में 2.5 लाख रुपये में बेच दिया गया और काम दिलाने के बहाने उससे जबरन शादी कर ली गई. गुजरात से भागने के बाद शहर की पीड़ित लड़की अमरावती आई और सीधे पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने इस मामले में 2 महिलाओं समेत 3 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

वलगांव पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर रहने वाली एक 70 वर्षीय महिला ने पीड़िता से संपर्क किया और उसे नौकरी दिलाने का वादा किया. युवती को बडनेरा रेलवे स्टेशन ले जाया गया, उसने अपने परिवार को बताया कि उसे खाना बनाने के काम के लिए मूर्तिजापुर ले जाया जा रहा है. हालाँकि, वहां से मुर्तिजापुर ले जाने के बजाय, उन्हें गुजरात के बछाव के पास ओंध गांव ले जाया गया. उस जगह पर एक महिला थी जिसे लड़की जानती थी. यह सब उसके घर पर ही रुक गया. 2-3 दिन बाद पीड़िता का उसी गांव के साले नामक व्यक्ति के साथ रिश्ता तय कर दिया गया. इसके बाद युवती आठ दिन तक अपने भाई के घर पर रही. बाद में वह युवती को साले बच्छाव स्थित महिला मंडल में ले गया. वहां युवती की शादी उसकी मर्जी के खिलाफ राजेश बेला नामक व्यक्ति से कर दी गई. युवती को शादी की तारीख याद नहीं है. शादी में उसके साले, उसकी पत्नी, राजेश की मां और पिता शामिल हुए. शादी के बाद पीड़िता कनाकोट में राजेश के घर रहने चली गई. युवती वहां लगभग दो महीने तक रही. हालाँकि, वहाँ के चर्च ने उस युवती के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया. इसलिए उस युवती का वहां कोई काम नहीं था. इस बीच युवती राजेश से अलग होना चाहती थी. तो राजेश, तरुणी और राजेश के माता-पिता सभी बच्छाव के महिला मंडल में पहुंचे. उस समय युवती को पता चला कि उसके जीजा व अन्य लोगों ने इस शादी के लिए 2 लाख 60 हजार रुपए लिए हैं. इसके बाद युवती अपने जीजा के घर आ गई. वहां से ओंधला एक परिचित महिला के घर गई. इसके बाद लड़की की मां ने गांव से एक हजार रुपये लड़की के बैंक खाते में भेज दिए. उस एक हजार रुपए से युवती ने रेल टिकट खरीदा और बछाव से निकलकर अमरावती पहुंच गई. इसके बाद लड़की सीधे वलगांव पुलिस थाने पहुंची और घटना की जानकारी दी. पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है.

लिफ्ट देने के बहाने युवक से लूटपाट, दो गिरफ्तार

चंद्रपुर. शहर के बंगाली कैंप इलाके में चामोर्शी जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे युवक को झांसा देकर दो बदमाशों ने पहले बाइक पर बैठाया और फिर सुनसान इलाके में ले जाकर लूटपाट की. रामनगर पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोपेश गोविंद कुंडू नामक व्यक्ती चामोर्शी जाने के लिए बस की प्रतीक्षा कर रहा था, तभी बाइक पर सवार दो युवकों ने उसे बल्लारशा तक छोड़ने की बात कहकर अपने साथ बैठा लिया रास्ते में वे उसे जुनोना जंगल परिसर में ले गए, जहां मारपीट करते हुए उसके पास मौजूद मोबाइल फोन, सोने की चेन और अन्य सामग्री जबरन छीन ली इस घटना की शिकायत गोपेश कुंडू ने रामनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई शिकायत मिलते ही पुलिस ने त्वरित एक टीम गठित कर जांच शुरू की.

बालाघाट-पुणे रेल मार्ग पर नई ट्रेन जल्द

सांसद को रेल मंत्री का पत्र

नागपुर. लोगों की सुविधा के लिए एक सांसद ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की. उनकी तारीफ करते हुए रेल मंत्री वैष्णव ने संबंधित सांसद को पत्र लिखकर खुशखबरी दी. गौरतलब है कि रेल मंत्री द्वारा मध्य प्रदेश के सांसद को दी गई इस 'खुशखबरी' से नागपुर विशेषकर विदर्भ के यात्रियों को भी फायदा होगा. मामला नई ट्रेन शुरू करने का है. बालाघाट (मध्य प्रदेश) की सांसद भारती पारधी ने कुछ दिन पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा की थी. बालाघाट से नागपुर और पुणे आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या काफी है. इसलिए पारधी ने इस समय बालाघाट-पुणे रेल मार्ग पर नई ट्रेन शुरू करने की मांग की थी. इसके अनुसार रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 28 मई को पारधी को पत्र लिखा. यह भी स्पष्ट किया गया है कि रेलवे बोर्ड ने जनहित में रीवा-पुणे नई ट्रेन शुरू करने का निर्णय लिया है, जिसमें कहा गया है कि यह ट्रेन बालाघाट होकर चलेगी.रेलवे बोर्ड के 29 मई को जारी पत्र (सीसी-93/2025) के अनुसार, नई रीवा-पुणे साप्ताहिक एक्सप्रेस गोंदिया, नागपुर, वर्धा, भुसावल, मनमाड, कोपरगांव होकर चलेगी. इस संबंध में अधिकारियों से ज्यादा जानकारी नहीं मिल सकी. हालांकि, रेल मंत्री द्वारा भेजा गया यह पत्र रेलवे हलकों में वायरल हो गया है. नतीजतन, कई लोगों को 'खुशखबरी' का अहसास हुआ है. खासकर विदर्भ के लोगों को भी इस नई ट्रेन से फायदा होगा. क्योंकि, नागपुर-पुणे-नागपुर रेल मार्ग पर साल भर यात्रियों की भीड़ रहती है.

भाजपा कार्यकर्ता की आत्महत्या या हत्या?

विधवा पत्नी ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

बुलढाणा. वरिष्ठ भाजपा विधायक संजय कुटे के जलगांव जामोद विधानसभा क्षेत्र के निष्ठावान कार्यकर्ता पंकज देशमुख की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है. इसलिए उनकी पत्नी सुनीता पंकज देशमुख ने उनकी मौत की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है. सुनीता देशमुख ने अमरावती के पुलिस महानिरीक्षक और बुलढाणा के पुलिस अधीक्षक के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज कराई है. पति की कथित आत्महत्या के करीब एक महीने बाद दर्ज कराई गई इस शिकायत ने जलगांव जामोद विधानसभा क्षेत्र समेत भाजपा हलकों में हलचल मचा दी है. दूसरी ओर, घटना को ऑपरेशन सिंदूर से जोड़ते हुए सुनीता देशमुख ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके पति और उनके 2 बेसहारा बच्चों को न्याय दिलाने की मांग की है. पुलिस अधीक्षक से की शिकायत पंकज देशमुख मौत मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है. 3 मई को पंकज देशमुख का शव जलगांव जामोद के बुरहानपुर रोड पर एक खेत में लटका हुआ मिला था. उस समय पंकज देशमुख के हाथ, पैर और गर्दन पर कई चोटें थीं. भले ही जलगांव जामोद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम किया हो, लेकिन जलगांव जामोद क्षेत्र में चर्चा थी कि पंकज देशमुख की मौत संदिग्ध है.

इसके साथ ही जलगांव जामोद पुलिस की जांच संदिग्ध है और मुझे जलगांव जामोद पुलिस पर भरोसा नहीं है. पंकज देशमुख 22 साल से भाजपा कार्यकर्ता थे और जलगांव जामोद के भाजपा विधायक संजय कुटे के ड्राइवर थे. इसलिए, इस बात को लेकर अलग-अलग चर्चाएं हैं कि आखिर सुनीता देशमुख को किस पर शक है अब बुलढाणा पुलिस के सामने चुनौती है कि पता लगाया जाए कि क्या बुलढाणा में भी ऐसा कुछ हो रहा है. उन्होंने पूछा है कि मुख्यमंत्रीजी , पहलगाम में महिलाओं के सिंदूर पोंछने के कारण ही ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया. यहां भाजपा कार्यकर्ताओं की पत्नियों के सिंदूर पोंछे जा रहे हैं, इस पर क्या कार्रवाई होगी?

राजनीति | वर्धा में डॉ. भोयर-तड़स गठबंधन

आखिरकार जब रोटी पलट गई..

वर्धा. बहुचर्चित भाजपा जिला अध्यक्ष की घोषणा आखिरकार हो गई है. पार्टी के संगठनात्मक ढांचे के अनुसार महाराष्ट्र में 80 जिले बनाए गए हैं. जिनमें से 52 जिला अध्यक्ष घोषित किए गए. शेष 28 बचे थे. वह कब होंगे, इस सवाल पर चर्चा हो रही थी. आखिरकार आज इस जिला अध्यक्ष की घोषणा कर दी गई. वर्धा में फेरबदल हुआ. वर्तमान अध्यक्ष सुनील गफत को फिर से मौका नहीं दिया गया. अब संजय गाते नए जिला अध्यक्ष होंगे. विदर्भ में कुछ नए जिला अध्यक्षों की घोषणा की गई है. इनमें गडचिरोली में रमेश बारसागड़े, चंद्रपुर शहर सुभाष कासमगुटवार, चंद्रपुर शहर हरीश शर्मा के नाम की घोषणा की गई है. साथ ही पश्चिम महाराष्ट्र में पूर्व दक्षिण बारामती शेखर वडने और कोल्हापुर विजय जाधव के नाम की घोषणा की गई है. नव घोषित वर्धा जिला अध्यक्ष संजय गाते संघ के पुराने कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं. उन्हें एक निगम का अध्यक्ष पद भी दिया गया था. इस समय जिले में बहुसंख्यक कुनबी या तेली समाज के अध्यक्ष की बजाय दूसरे समाज के अध्यक्ष की मांग सामने आई. इसलिए अन्य नाम मैदान में आए. विधायक दादाराव केचे ने गफत के नाम का विरोध किया था. साथ ही महिला जिला अध्यक्ष नहीं चाहिए का नारा भी बुलंद किया था. इस घटनाक्रम में एक नया समीकरण सामने आया. पालकमंत्री डॉ. पंकज राजेश भोयर और पूर्व सांसद रामदास तड़स आगे आए. गफत को मौका क्यों नहीं मिलना चाहिए, यह सवाल सामने आया. भोयर, तड़स, केचे गफत के नाम के पक्ष में थे.

- पालकमंत्री भोयर ने भी इसकी पुष्टि की और चर्चा है कि गफत फाइनल हो गए. गफत का कहना है कि भाजपा दबाव में काम करने वाली पार्टी नहीं है.
- फार्मूला यही है कि सही व्यक्ति पद पर आए. सभी ने मेरा समर्थन किया. लेकिन अगर मेरे मन में कुछ और विचार आते तो शायद मैं दोबारा अध्यक्ष नहीं बनता. लेकिन नए अध्यक्ष गाते भी भाजपा के योग्य पदाधिकारी हैं. मैं उनका समर्थन करता रहूंगा और पार्टी जो काम देगी, उसे करूंगा.
- हम भाजपा के कार्यकर्ता हैं. हमारे लिए पद महत्वपूर्ण नहीं है. हालांकि, इस अवसर पर एक तस्वीर सामने आई है कि जिला भाजपा में पालकमंत्री भोयर और रामदास तड़स के प्रभाव का एक नया केंद्र बना है.
- 4 अन्य विधायक और प्रभावशाली नेता पीछे हो गए हैं. चर्चा थी कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को ध्यान में रखते हुए जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी. लेकिन अब संजय गाते को नियुक्त करके उन्हें कैसे प्रभावित किया जाए, इस बारे में क्या सोचा गया था, इस पर संदेहास्पद चर्चा हो रही है.

हम सिर पर गोली खा लेंगे, लेकिन कलमा नहीं पढ़ेंगे

नवनीत राणा ने कहा

अमरावती. जब आतंकवादियों ने पहलगाम पर हमला किया तो उन्होंने वहां पर्यटकों से उनका धर्म पूछा. किसी अन्य जाति के बारे में नहीं पूछा गया. उन्होंने लोगों से कलमा पढ़ने को कहा. हिंदुओं की अमानवीय तरीके से हत्या की गई. हमने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया है. लेकिन, अब देश में गीता और कलमा को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. वे देश में कलमा चाहते हैं. भाजपा नेता और पूर्व सांसद नवनीत राणा ने शनिवार को यहां कहा कि हम सिर पर गोली खा लेंगे, लेकिन कलमा नहीं पढ़ेंगे. वे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की उपस्थिति में परिणयबंध लॉन में आयोजित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक में बोल रही थीं. नवनीत राणा ने कहा, भारत में रहने वाले सभी लोगों को एक साथ आने की जरूरत है. जब हमने तिरंगा यात्रा निकाली तो कहा गया कि यह भाजपा की तिरंगा यात्रा है. कांग्रेस के लोग तिरंगा उठाने को तैयार नहीं थे. वे अब भी पाकिस्तान से प्यार करते हैं. जिन लोगों को आतंकवादियों ने गोली मारी वे भाजपा के सदस्य नहीं थे. इस आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था. नवनीत राणा ने कहा कि जब अमरावती में दंगे भड़के तो सबसे ज्यादा असर हिंदुओं पर पड़ा. हिंदू परिवारों में केवल एक ही बेटा है, जबकि उनकी बस्तियों पर भीड़ का शासन है. लेकिन, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे लोग हमसे सौ गुना अधिक शक्तिशाली हैं. बकरीद का त्यौहार जल्द ही आने वाला है. इस समय कुछ बस्तियों में घर के पीछे गाय का बछड़ा बंधा हुआ दिखाई देता है. नालियों में खून बहता है, नाम है बकरा ईद, लेकिन कटता है गाय का बछड़ा. लेकिन अब ऐसा किसी भी हालत में नहीं होने दिया जाएगा. पालकमंत्री के रूप में चंद्रशेखर बावनकुले को प्रशासन को निर्देश देना चाहिए.

सरकारी डेंटल कॉलेज के बेड़े हुई सुविधा उपलब्ध

अपडेटेड ऑपरेटिंग रूम और सिमुलेशन लैब शामिल

नागपुर. नागपुर के सरकारी डेंटल कॉलेज और अस्पताल के बेड़े में अपडेटेड ऑपरेटिंग रूम और सिमुलेशन लैब शामिल हो गई है. इन दोनों का उद्घाटन शनिवार को पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने किया. इससे मरीजों और छात्रों को क्या फायदा होगा?

सरकारी डेंटल कॉलेज में हुए कार्यक्रम में राज्यमंत्री एडवोकेट आशीष जायसवाल, मेडिकल के डीन और डिवीजनल डायरेक्टर डॉ. राज गजभिये, सरकारी डेंटल कॉलेज के डीन डॉ. अभय दातारकर, डॉ. प्रशांत पंडिलवार, डॉ. वर्षा मानेकर, डॉ. मंगेश फड़नायक, डॉ. धीरज कालरा मौजूद थे. मॉड्यूलर ऑपरेटिंग रूम से प्रदूषण

नियंत्रण में भी मदद मिलेगी. इसके साथ ही इस ऑपरेटिंग रूम में HEPA फिल्टर, लेमिनार एयर फ्लो जैसे आधुनिक सिस्टम हैं. इससे ऑपरेटिंग रूम में बैक्टीरिया और धूल को नियंत्रित करने में मदद मिलती है यह ऑपरेटिंग रूम प्री-फैब्रिकेटेड यूनिट से बना है. इसलिए इसके निर्माण में पारंपरिक ऑपरेटिंग रूम की तुलना में कम समय लगता है. इस ऑपरेटिंग रूम का डिजाइन लचीला है. इसलिए भविष्य में ऑपरेटिंग रूम को बदलना या अपग्रेड करना आसान है. इस ऑपरेटिंग रूम के मॉड्यूलर पार्ट्स को आसानी से बदला जा सकता है. चूंकि ऑपरेटिंग रूम को एनएबीएच संगठन के मानकों के अनुसार डिजाइन किया गया है, इसलिए मरीज और डॉक्टर दोनों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है, ऐसा भी कार्यक्रम में कहा गया. वहीं, एडवांस एयर हैंडलिंग यूनिट और इंसुलेटेड पैनल यहां ऊर्जा की बचत करते हैं. मॉड्यूलर सिस्टम का रखरखाव आसान है और जरूरत पड़ने पर पार्ट्स को बदला भी जा सकता है, ऐसा भी कार्यक्रम में कहा गया. इस ऑपरेटिंग रूम की वजह से सरकारी डेंटल कॉलेज में गरीबों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हो पाई हैं. कार्यक्रम में डॉ. वैभव कारेमोरे समेत सभी अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे. इसलिए यहां के छात्र आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं. लैब में छात्र यथार्थवादी और बेहद सुरक्षित और नियंत्रित माहौल में काम कर सकते हैं. इससे उन्हें आवश्यक एक्स-रे और दंत चिकित्सा प्रक्रियाओं को सीखने में मदद मिलेगी. साथ ही बताया गया कि टाइपोडॉन्ट दांतों पर 3डी तकनीक के जरिए वास्तविक उपकरणों की मदद से आधुनिक उपचार के तरीके सिखाए जाएंगे.

आदिवासी, सामाजिक न्याय विभाग की निधि लाड़की बहिन योजना के लिए डायवर्ट की गई

शिवाजीराव मोघे का दावा

नागपुर. राज्य सरकार ने आदिवासी और सामाजिक न्याय विभाग की निधि को लाड़की बहिन योजना के खर्च के लिए डायवर्ट किया है. सामाजिक न्याय मंत्री ने खुद यह बात स्वीकार की है, जबकि आदिवासी विकास मंत्री इस पर हंगामा कर रहे हैं, ऐसा दावा पूर्व सामाजिक न्याय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवाजीराव मोघे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में किया.

संविधान के अनुसार, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए उनकी जनसंख्या के अनुसार निधि उपलब्ध कराना अनिवार्य है. हर साल उस राशि को बजट में उपलब्ध कराना होता है. साथ ही, उस निधि को अन्यत्र खर्च या डायवर्ट नहीं किया जा सकता है. लेकिन सामाजिक न्याय विभाग और आदिवासी विकास विभाग की निधि को लड़की बहिनी योजना के लिए डायवर्ट किया गया है. एक महीने बाद इसे वापस कर दिया गया. यह बात खुद सामाजिक न्याय मंत्री ने कही है. इसलिए, राज्य सरकार के अन्य मंत्री जो कहते हैं, वह निरर्थक है. जब हम सत्ता में थे, तो आपातकालीन निधि को डायवर्ट करने के लिए ऐसा प्रस्ताव कैबिनेट के सामने लाया गया था. मोघे ने यह भी दावा किया कि मौजूदा सरकार एक-दूसरे से फंड डायवर्ट कर रही है और अगले महीने संबंधित विभाग के खाते में वापस जमा कर रही है. राज्य और केंद्र सरकार किसानों के प्रति उदासीन है. इसके कारण प्रशासन भी असंवेदनशील हो गया है. पिछले 10-11 सालों में केंद्र और राज्य सरकारों ने किसान विरोधी नीतियां लागू की हैं. उन्होंने निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर और आयात बढ़ाकर कृषि उत्पादों की कीमतें कम करने की योजना बनाई है. बजट में कृषि पर खर्च में कटौती की गई. किसानों को आर्थिक रूप से कंगाल बना दिया गया है. सरकार को किसानों का शोषण तुरंत बंद करना चाहिए. वादे के मुताबिक कांग्रेस पार्टी किसानों के पीछे मजबूती से खड़ी है ताकि उनके कर्ज को पूरी तरह से माफ करके और सरकार की परित्यक्त नीतियों से छुटकारा दिलाकर उन्हें जीने की ताकत दे सके.

3 जून को किसानों का मार्च और सभा

मोघे ने बताया कि पूर्ण कर्ज माफी, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करना, कृषि उत्पादों के लिए गारंटीकृत मूल्य, सार्वभौमिक फसल बीमा, कृषि के लिए मुफ्त बिजली, जंगली जानवरों से सुरक्षा के लिए बाड़ लगाने जैसी अन्य मांगों को लेकर 3 जून को अरनी में किसानों का स्वाभिमान मार्च और सभा आयोजित की जा रही है. यह मार्च सुबह 9 बजे श्री ओंकारेश्वर मंदिर दाभाड़ी, ताल अरनी से शुरू होगा और कृषि उत्पन्न बाजार समिति, अरनी में समाप्त होगा.

कीट जनित रोग नियंत्रण के लिए नया फार्मूला तैयार

स्थानांतरित व्यक्तियों की भी हो जांच

नागपुर. महाराष्ट्र और पड़ोसी तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश समेत चार राज्यों के स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने राज्यों में हीट वेव और कीट जनित रोग नियंत्रण के लिए नया फार्मूला तैयार किया है. इसके अनुसार नई मानक प्रणाली तैयार कर लागू की जाएगी. नागपुर के होटल प्राइड में चारों राज्यों के स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई. उन्होंने नई मानक प्रणाली पर सहमति जताई. बैठक में स्वास्थ्य विभाग के पुणे कार्यालय की संयुक्त निदेशक डॉ. बबीता कमलापुरकर, नागपुर में स्वास्थ्य उपनिदेशक डॉ. शशिकांत शंभरकर और चारों राज्यों के अन्य अधिकारी शामिल हुए. बैठक में कीट जनित रोगों के अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में रोग की रोकथाम और नियंत्रण के लिए समन्वय बढ़ाने और नीतियों को मजबूत करने का निर्णय लिया गया. बैठक में चारों राज्यों में लोगों के दूसरे राज्यों में पलायन के लिए नई मानक प्रणाली के अनुसार दिशा-निर्देश लागू करने पर सहमति बनी. इसके अनुसार एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने से पहले श्रमिकों, घुमंतू जनजातियों और नागरिकों को सूचित किया जाना चाहिए और उनके बुखार की जांच की जानी चाहिए, तथा स्थानांतरित व्यक्तियों की भी जांच की जानी चाहिए. बुखार या कीट जनित बीमारियों से पीड़ित किसी भी व्यक्ति का तत्काल उपचार करने का निर्णय लिया गया. इस दौरान इन श्रमिकों पर नजर रखने और किसी की तबीयत खराब होने पर विशेष ध्यान देने पर सहमति बनी.

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में लोगों को बुखार सहित कीट जनित बीमारियों के बारे में जागरूक करना, गंभीर कीट जनित बीमारियों मुख्य रूप से बुखार के रोगियों के उपचार का प्रबंधन करना, राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकारियों के साथ समन्वय में काम करना, विभिन्न सरकारी, अर्ध-सरकारी विभागों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों और धर्मार्थ संगठनों से उचित तरीके से मदद लेना, प्रत्येक राज्य में स्थानीय बुखार के प्रसार को रोकने और बुखार की घटनाओं को शून्य करने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रयास करना, और सीमा पार के अधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारियों का निर्धारण करना भी नई मानक प्रणाली में शामिल किया गया. स्वास्थ्य विभाग ने विचार व्यक्त किया कि संयुक्त प्रयासों के माध्यम से 2027 तक मलेरिया उन्मूलन को प्राप्त करने में यह बैठक बहुत महत्वपूर्ण होगी. इसलिए अब सबका ध्यान इस बात पर है कि महाराष्ट्र और पड़ोसी तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश इन चारों राज्यों में इस नई मानक प्रणाली को कैसे लागू किया जाएगा. क्या कहता है स्वास्थ्य विभाग? स्वास्थ्य सेवा कीट रोग विभाग की संयुक्त निदेशक डॉ. बबीता कमलापुरकर ने कहा, अगर मलेरिया से संक्रमित कोई प्रवासी मजदूर या नागरिक मच्छर के काटने से दूसरों को काटता है, तो यह बीमारी फैल सकती है. इसलिए नई मानक प्रणाली पर काम करके इस बीमारी को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है.

एसटी प्रबंधन ने फिर इलेक्ट्रिक बस आपूर्तिकर्ता कंपनी के आगे घुटने टेके

ट्रेड यूनियन ने कहा

नागपुर. एसटी को समय पर इलेक्ट्रिक बसें न देने वाली ठेकेदार कंपनी का अनुबंध रद्द करने की बार-बार धमकी देने वाले प्रबंधन ने एक बार फिर कंपनी के लिए शेड्यूल तय कर दिया है, जिससे उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं और महाराष्ट्र एसटी कर्मचारी कांग्रेस के महासचिव श्रीरंग बर्गे ने आरोप लगाया है कि एसटी प्रबंधन ने एक बार फिर कंपनी के आगे घुटने टेक दिए हैं.

बर्गे ने कहा कि इलेक्ट्रिक बस परियोजना का उद्घाटन 13 फरवरी 2024 को किया गया था. समझौते के अनुसार अब तक करीब 4,000 बसें आनी थीं. लेकिन 24 मार्च से 25 मार्च के बीच आपूर्तिकर्ता कंपनी द्वारा एसटी को केवल 220 बसें, जिनमें 9 मीटर लंबी की 138 और 12 मीटर लंबी की 82 बसें शामिल हैं, की आपूर्ति की गई. समझौते का उल्लंघन करने वाली कंपनी का अनुबंध रद्द करने की घोषणा कम से कम 3 बार की गई. उसके बाद परिवहन विभाग, अतिरिक्त मुख्य सचिव और तत्कालीन एसटी अध्यक्ष संजय सेठी ने उक्त कंपनी को बसें आपूर्ति करने का नया शेड्यूल तय किया. 25 मई तक 1287 बसें उपलब्ध कराने के लिए चेतावनी पत्र जारी किया गया था, लेकिन इसकी अवधि समाप्त होने के बाद भी कोई प्रगति नहीं होने के कारण वर्तमान एसटी चेयरमैन और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कुछ दिन पहले एक बार फिर कंपनी का अनुबंध रद्द करने की घोषणा की थी. लेकिन अगर पिछली घोषणाओं के क्रम को देखें तो अब तक 3 ऐसी घोषणाएं की जा चुकी हैं और उसका कोई नतीजा नहीं निकला, इसलिए अब प्रबंधन को फिर से कार्यक्रम तय करने का निर्णय लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है. अगर हम घटनाओं के समग्र क्रम को देखें तो यह सब एसटी के भविष्य के लिए शर्मनाक और शर्मनाक है, जो 1 जून को 78 साल पूरे कर लेगा और भविष्य में एसटी पर गंभीर परिणाम देखने को मिलेंगे.

शहर की विभिन्न समस्याओं का मामला

भाजपा विधायक ने किया नगर निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

नागपुर. अगले 5 से 6 महीने में नगर निगम चुनाव होने की संभावना है. इस पृष्ठभूमि में, सत्तारूढ़ भाजपा विधायकों ने शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर निगम प्रशासकों पर काम नहीं करने का आरोप लगाया है. राज्य में सत्ता में होने और लगातार तीन बार नगर निगम में सत्ता का आनंद लेने के बावजूद, भाजपा के लिए अब समय आ गया है कि वह जनता की समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन शुरू करे. विधायक कृष्णा खोपड़े के नेतृत्व में नगर निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया. दिलचस्प बात यह है कि गुरुवार को विधायक प्रवीण दटके ने नागा नदी के मुद्दे पर नगर निगम को आड़े हाथों लिया था. इस समय पूर्व स्थायी समिति सभापति बाल्या उर्फ नरेंद्र बोरकर ने कहा कि पूर्व नागपुर के शास्त्री नगर पार्क में लैंप लगाने और सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने की मांग की गई थी. लेकिन, यह पूरा नहीं हुआ. इसके अलावा वार्ड क्रमांक 23 के कुम्हारटोली में नागा नदी पर सुरक्षा दीवार बनाने का आदेश दिए हुए करीब एक साल हो गया है, लेकिन अभी तक निर्माण पूरा नहीं हो सका है. आदर्श नगर मलिन बस्ती में नाले के लिए सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया जाए. अन्यथा इस मानसून में इन झुग्गियों में पानी घुसने से बड़ी क्षति होने की संभावना है. इसके अलावा भारत माता और डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर पार्क में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग नियमित रूप से आते हैं. हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि नगर निगम प्रशासन इस पार्क के रखरखाव की उपेक्षा कर रहा है.

बाघ के हमले में किसान की मौत

परशिवानी तहसील में हुई घटना

नागपुर. नागपुर वन विभाग अंतर्गत आने वाले वन परिक्षेत्र पारशिवनी तहसील अंतर्गत आने वाले नेऊरवाडा गांव के एक किसान पर बाघ ने हमला कर दिया. इस हमले में किसान की दर्दनाक मौत हो गई. मृतक की पहचान रवि कालसरपे के रूप में हुई है. घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग और पुलिस के अधिकरी तुरंत मौके पर पहुंचे. हालांकि, घटना से आहात स्थानीय नागरिकों द्वारा पुलिस एवं वन विभाग के विरोध में जमकर विरोध प्रदर्शन किया. प्राप्त जानकारी के अनुसार नेऊरवाडा गांव के निवासी किसान रवि कालसरपे अपनी पत्नी के साथ सुबह 11 बजे अपने खेत में काम करने गए थे. इसी बीच मृतक की पत्नी पानी लाने नहर के पास चली गई. मौके का फायदा उठाकर घात लगाकर बैठे बाघ ने किसान पर हमला कर दिया. जिसमें किसान की दर्दनाक मौत हो गई.लगभग आधे घंटे बाद जब किसान की पत्नी आई ,तो किसान मृत पाया गया.घटना की जानकारी पारशिवनी पुलिस एवं वन विभाग को दी गई.

ईवीएम में कोई घोटाला नहीं हुआ

कांग्रेस नेता का पार्टी विरोधी रुख

नागपुर. विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद पहली बार नागपुर जिले में कांग्रेस ने एकजुटता दिखाई. शुक्रवार को पार्टी के निरीक्षक की बैठक में जिला कांग्रेस के सभी गुटों के नेता और पदाधिकारी मौजूद थे. निरीक्षक रणजीत कांबले ने गणेशपेठ स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में यह बैठक की. बैठक में जिला प्रभारी अध्यक्ष बाबा आष्टणकर, पूर्व मंत्री सुनील केदार, सांसद श्यामकुमार बर्वे, विधायक संजय मेश्राम, जिला कार्यकारी अध्यक्ष अश्विन बैस, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष मुक्ता कोकड़े, पूर्व उपाध्यक्ष कुंदा राऊत, पूर्व स्पीकर अर्वतिका लेकुरवाले, पूर्व विधायक एस.क्यू. जामा, हुकुमचंद आमधारे, तक्षशिला वाघधरे, प्रकाश वासु, राजा तिड़के, तपेश्वर वैद्य मौजूद थे. सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अगले 4 से 5 महीने में स्थानीय निकाय चुनाव होने की संभावना है. इस पृष्ठभूमि में कार्यकर्ताओं के बीच कलह को दूर कर नए जोश के साथ काम करने का संदेश दिया गया. कांग्रेस का जनाधार बरकरार है. कांग्रेस पार्टी को हराना आसान नहीं है. लेकिन कांग्रेस में असंतुष्ट गुट दूर हो जाता है. इस तरह कांग्रेस कांग्रेस को हराती है, इस अवसर पर वक्ताओं ने अपनी राय व्यक्त की. सभी गुटों को एक साथ आना चाहिए और स्थानीय निकायों को जीतने का लक्ष्य ध्यान में रखना चाहिए. ईवीएम में कोई घोटाला नहीं हो सकता. पूरे देश में ईवीएम का प्रबंधन करना असंभव है. अब इन कारणों को छोड़ो. काम पर लग जाओ. नहीं तो आपकी पार्टी मजबूत नहीं होगी. एक-दूसरे की कमियां निकालने में मत बैठो. गुटबाजी छोड़ो. जो हुआ उसे भूल जाओ. अब हमें नए चुनावों का सामना करना है. उससे पहले, इस बात पर ध्यान दें कि हम अपनी पार्टी को कैसे मजबूत कर सकते हैं, कांबले ने कांग्रेस पदाधिकारियों को सलाह दी. पदाधिकारियों की बात सुनी गई विधानसभा चुनाव में बगावत करने के कारण नागपुर जिला अध्यक्ष राजेंद्र मुलक को पार्टी से निलंबित कर दिया गया. उसके बाद जिला अध्यक्ष का कार्यभार पार्टी के वरिष्ठ नेता बाबा आष्टणकर को सौंपा गया है. जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव से पहले पूर्णकालिक जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी. इसके लिए निरीक्षकों ने स्थानीय नेताओं और पदाधिकारियों की राय सुनी.

स्वास्थ्य दत्ता मेघे कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन और अजलमंड बोर्ड ऑफ़ कैलिफोर्निया का प्रयास

शैक्षणिक सत्र का संयुक्त आयोजन

नागपुर. न्यूट्रिशन और डायटेटिक्स विषय के विद्यार्थियों की सहभागिता को बढ़ाने के उद्देश्य से, दत्ता मेघे कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च (डीएमएचआईआर) और अजलमंड बोर्ड ऑफ़ कैलिफोर्निया ने मिलकर एक शैक्षणिक सत्र का आयोजन किया. इस सत्र में बादाम के सेवन से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी गई. यह सत्र प्रसिद्ध न्यूट्रिशनिस्ट और वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णास्वामी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ. उन्होंने कार्डियोमेटाबॉलिक स्वास्थ्य और मसल हेल्थ पर किए गए तीन हालिया शोधों की समीक्षा की, जो कुछ विख्यात स्वास्थ्य और पोषण विशेषज्ञों द्वारा किए गए थे. इन अध्ययनों से यह सिद्ध हुआ कि बादाम कार्डियोमेटाबॉलिक स्वास्थ्य, मांसपेशियों की तेजी से रिकवरी और रक्त शर्करा के नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. इस अध्ययन के अनुसार, बादाम के सेवन से एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल घटता है और डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर (निचला रक्तचाप) थोड़ा कम होता है – ये दोनों ही हृदय स्वास्थ्य के अहम

संकेतक हैं, और यह सब वजन बढ़ाए बिना होता है. खास बात यह है कि कुछ मामलों में ज्यादा मात्रा में बादाम खाने से वजन घटने के संकेत भी मिले और प्रीडायबिटीज से पीड़ित एशियाई भारतीयों में रक्त शर्करा का स्तर भी सुधरा. इस शोध पर बात करते हुए शीला कृष्णास्वामी ने कहा, "इन निष्कर्षों से यह पता चलता है कि अगर हम रोजाना अपने आहार में एक मुट्ठी बादाम शामिल करें, तो इससे हृदय स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है. इससे खराब कोलेस्ट्रॉल कम होता है और रक्तचाप भी थोड़ा घटता है – वो भी बिना वजन बढ़ाए. बल्कि कुछ लोगों को – खासकर प्रीडायबिटीज से पीड़ित एशियाई भारतीयों को – थोड़ा वजन कम होने और रक्त शर्करा बेहतर नियंत्रण में आने का अनुभव भी हुआ है. यह अपने स्वास्थ्य की देखभाल करने का एक आसान, स्वादिष्ट और पौष्टिक तरीका है ."एक अन्य अध्ययन में, डॉ. मार्क कर्न (पीएचडी, आरडी, सीएसएसडी), जो सैन डिएगो स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं, उन्हें यह पता चला कि लगातार आठ सप्ताह तक हर दिन दो औंस (करीब 56 ग्राम) बादाम खाने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं. बादाम के सेवन से व्यायाम के बाद मांसपेशियों में दर्द कम होता है, मांसपेशियों की ताकत बढ़ती है और चोट लगने की संभावना घटती है – यह विशेष रूप से स्वस्थ या थोड़े अधिक वजन वाले व्यक्तियों में देखा गया. नियमित बादाम खाने से मांसपेशियों का दर्द और थकान कम होती है जिससे लोग नियमित रूप से व्यायाम कर पाते हैं. शीला कृष्णास्वामी ने बताया, "एक न्यूट्रिशनिस्ट के तौर पर, मैं हमेशा लोगों को उनके आहार में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करती हूं और बादाम का समावेश ऐसा ही एक महत्वपूर्ण बदलाव है. इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि बादाम न केवल मांसपेशियों के दर्द और तनाव को कम करने में मदद करते हैं, बल्कि ताकत और रिकवरी में भी अहम भूमिका निभाते हैं. इससे लोगों को अपने फिटनेस गोल को बनाए रखना आसान हो जाता है. इसके अलावा, बादाम आसानी से साथ ले जाए जा सकते हैं और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, इसलिए ये एक स्मार्ट और हेल्दी विकल्प बनते हैं."नई दिल्ली स्थित फोर्टिस-सी-डीओसी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर डायबिटीज, मेटाबॉलिक डिज़ीज़ेस और एंडोक्राइनोलॉजी के प्रोफेसर और अध्यक्ष डॉ. अनुप मिश्रा द्वारा किए गए तीसरे अध्ययन के बारे में बात करते हुए, शीला कृष्णास्वामी ने बताया कि रक्त शर्करा नियंत्रण में बादाम की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका है. इस शोध से यह पाया गया कि कुछ प्रीडायबिटिक व्यक्तियों ने जब हर भोजन से लगभग 30 मिनट पहले 20 ग्राम बादाम खाए, तो उनकी रक्त शर्करा की मात्रा सामान्य स्तर पर लौट आई.

यह शोध अजलमंड बोर्ड ऑफ़ कैलिफोर्निया द्वारा प्रायोजित थे और इनमें पाउला आर. ट्रुम्बो, जेमी अर्ड, फ्रांस बेलिस्ले, ऐडम ड्रेवनोव्स्की, जैक ए. गिल्बर्ट, रोनाल्ड क्लेनमैन, अनुप मिश्रा, जॉन सिवनपिपर, माहा ताहीरी, कैरोल ई. वॉटसन, जेम्स हिल, मार्क कर्न, डॉ. डॉ. सिमा गुलाटी और डॉ. अनुप मिश्रा जैसे प्रसिद्ध स्वास्थ्य व पोषण विशेषज्ञ शामिल थे. इन विशेषज्ञों ने अपने शोधों के माध्यम से यह बताया कि कैलिफोर्निया बादाम को रोज़ाना के आहार में शामिल करने से स्वास्थ्य को अनेक लाभ मिलते हैं. कार्यक्रम की शुरुआत में शीला कृष्णास्वामी ने "करंट डेवलपमेंट्स इन न्यूट्रिशन"नामक जर्नल में प्रकाशित शोध निष्कर्ष साझा किए.

नागपुर में बन रहा है नया फांसी यार्ड

नागपुर. सेंट्रल जेल में अब एक साथ दो दोषियों को फांसी देने की सुविधा वाला फांसी यार्ड लगभग तैयार हो चुका है. इससे नागपुर उन चुनिंदा शहरों की सूची में शामिल हो जाएगा जहाँ मृत्युदंड की सजा को एकसाथ 2 अपराधियों पर लागू किया जा सकेगा. महाराष्ट्र की नागपुर सेंट्रल जेल में नया फांसी यार्ड लगभग बनकर तैयार है. पुराने और आउटडेटेड यार्ड की जगह अब अत्याधुनिक प्रणाली से युक्त नया तख्ता बनाया गया है. इसकी साइज 2.5 बाय 1.2 मीटर रखी गई है. फांसी का ये यार्ड 2 अपराधियों को एक साथ लटकाने की क्षमता रखता है, जो देश में बहुत कम जगहों पर उपलब्ध है. याद दिला दें कि नागपुर जेल में आखिरी बार वर्ष 2015 में याकूब मेमन को फांसी दी गई थी, जो 1993 के मुंबई बम ब्लास्ट का दोषी था. उस दौरान सामने आई तकनीकी और प्रशासनिक चुनौतियों के बाद इस नए फांसी यार्ड के निर्माण का निर्णय लिया गया. गृह मंत्रालय ने फरवरी 2020 में इसके निर्माण का आदेश दिया था. पीडब्ल्यूडी को कार्य की ज़िम्मेदारी दी गई और दिसंबर 2022 में वर्क ऑर्डर जारी हुआ. अब केवल प्लास्टर का कार्य बचा है.

डेटॉल के ब्रांड एंबेसडर धोनी का स्वागत

नागपुर. भारत के अग्रणी कीटाणु सुरक्षा ब्रांड डेटॉल ने क्रिकेट के दिग्गज और भारत के असली 'कैप्टन कूल' — महेंद्र सिंह धोनी — को अपने डेटॉल साबुन, बॉडीवॉश और हैंडवॉश रेंज का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है. यह अपनी तरह की पहली साझेदारी है, जो एक प्रतिष्ठित 'कूल' शख्सियत और एक भरोसेमंद 'कूल' ब्रांड को एक साथ लाती है, और गर्मियों में ठंडक बनाए रखने का समाधान 'डेटॉल आइसी कूल' पेश करती है.'डेटॉल आइसी कूल' को पेश करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है. दबाव में शांत रहना हमेशा से मेरे जीवन का एक अहम हिस्सा रहा है, चाहे वह मैदान पर हो या मैदान के बाहर. डेटॉल आइसी कूल ठंडा रहने का परफेक्ट समाधान देता है, जब शरीर ठंडा रहेगा, तो मन भी शांत रहेगा. यही वजह है कि यह कैंपेन मुझे बहुत अच्छा लगा और इसका हिस्सा बनकर मैं बहुत उत्साहित हूं."इस कैंपेन के टीवीसी को मैककैन वर्ल्ड ग्रुप ने तैयार किया है. प्रसून जोशी, चेयरमैन, मैककैन वर्ल्डग्रुप, एशिया पैसिफिक और सीईओ एवं सीसीओ, मैककैन वर्ल्डग्रुप इंडिया ने कहा, "बॉडी कूल तो माइंड कूल. डेटॉल आइसी कूल और कैप्टन कूल एम.एस. धोनी के साथ यह कैंपेन दर्शाता है कि सबसे कठिन परिस्थितियों में भी कूल रहनप्रदर्शन को बेहतर बनाता है.

तीन गुना तीव्र ठंडकऱ और त्वचा संक्रमण के कीटाणुओं से 99.9% सुरक्षा के साथ, डेटॉल आइसी कूल गर्मियों के लिए एक परफेक्ट ज़रूरत है. यह उपभोक्ताओं की एक असली ज़रूरत को पूरा करता है — गर्मी और पसीने के कारण होने वाले त्वचा संक्रमण के कीटाणुओं से सुरक्षा प्रदान करता है. ऐसे देश में जहाँ गर्मियां बेहद तीव्र हो सकती हैं और पसीने से चिपचिपी त्वचा असहजता का कारण बनती है, डेटॉल आइसी कूल देता है तुरंत बर्फ जैसी ठंडक और ताजगी का एहसास — ताकि आपका शरीर ठंडा रहे, मन शांत रहे, और आप दबाव भरे पलों में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें